भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3400
गुरुवार, 12 मार्च, 2026/21 फाल्गुन, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पटना विमानपत्तन से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवा

3400. श्री सुधाकर सिंहः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि बिहार से विशेषकर पटना विमानपत्तन से सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे खाड़ी देशों के लिए सीधी अंतर्राष्ट्रीय उड़ान कनेक्टिविटी के अभाव में बिहार के यात्रियों को वर्तमान में नई दिल्ली या कोलकाता के रास्ते यात्रा करनी पड़ती है जिससे अतिरिक्त समय, लागत आने के साथ- साथ असुविधा का सामना करना पड़ता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बिहार से बड़ी संख्या में लोग रोजगार, व्यापार, शिक्षा और धार्मिक प्रयोजनों के लिए नियमित रूप से इन खाड़ी देशों की यात्रा करते हैं जिसके परिणामस्वरूप इन मार्गों पर यात्रियों की भारी भीड़ होती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विमानन कंपनियों को पटना से खाड़ी देशों के लिए सीधी उड़ानें प्रचालित करने के लिए प्रोत्साहित करने अथवा इस संबंध में द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौतों के अंतर्गत स्लॉट आवंटित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है; और

(घ) यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और ऐसी सेवाओं को शुरू करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ) : वर्तमान में बिहार से खाड़ी देशों के लिए सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान उपलब्ध नहीं है। तथापि, पटना सहित बिहार के हवाईअड्डे दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता जैसे प्रमुख भारतीय हवाईअड्डों से भलीभांति जुड़े हुए हैं, जहाँ से खाड़ी देशों के लिए आगे की उड़ान संपर्कता उपलब्ध है।

सरकार ने नागर विमानन क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया है। तथापि, भारत के किसी भी स्थान से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने का व्यावसायिक निर्णय पूरी तरह से एयरलाइनों का होता है, जो उस मार्ग की आर्थिक व्यवहार्यता और अन्य संबंधित कारकों के आधार पर लिया जाता है।

****